गई सूचनानसार, आयोग जामिया हमदर्द को इसके विद्यमान विभागों के सुदृढ़ीकरण एवं विकास के लिए अनुदान प्रदान करता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने जामिया हमदर्द को इसके विद्यमान विभागों के सुदृढ़ीकरण एवं विकास के लिए 8वीं योजना के दौरान निम्नलिखित अनुदान नियत किये हैं :—

(i) गैर-इंजीनियरी एवं गैर प्रौद्योगिकी विभाग	130.00 लाख रु०
(ii) इंजीनियरी एवं प्रौद्योगिकी विभाग	90.00 लाख रु०
(iii) योजनागत पद	100.00 लाख रु०

यह 1989-90 से जामिया हमदर्द को 25 (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का अंश) : 75 (हमदर्द न्यास, दिल्ली प्रशासन एवं आंतरिक संसाधन का अंश) के आधार पर अनुरक्षण अनुदान प्रदान कर रहा है।

आयोग संगणक केन्द्र के लिए बुनियादी सुविधाओं के विकास हेतु भी वास्तविक लागत के अधीन 7.50 से 10.00 लाख रु० तक का अनुदान प्रदान करने के लिए सहमत हो गया है।

(ग) जामिया हमदर्द में निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं :—

1. वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव-रसायन, आविषालुता विज्ञान, औषधीय रसायन, औषध-निर्माण विज्ञान फार्माकोगनोसी में पादप रसायन तथा इस्लामी अध्ययन में पी०एच०डी०

2. जीव-रसायन, पर्यावरण संबंधी वनस्पति विज्ञान, आविषालता-विज्ञान में एम०एस०सी०

3. इल्मुल अडविया एवं मुआलिजात में एम०डी०

4. औषधीय रसायन, औषध निर्माण विज्ञान, औषध विज्ञान, फार्माकोगनोसी तथा पादप रसायन में भेषजी निष्णात (एम० फार्म)

5. भेषजी-स्नातक (बी० फार्म)

6. नर्सिंग में बी०एस०सी०,

7. बी०यू०एम०सी० (यूनानी कार्य चिकित्सा एवं शल्यचिकित्सा स्नातक)

8. औषध विज्ञान में डिप्लोमा

9. नर्सिंग में डिप्लोमा,

10. प्री० तिब्ब० (यूनानी)

नवोदय विद्यालय के छात्रों का अचानक बीमार पड़ जाना

1647. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :**
श्री अनन्त राम जायसवाल :

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली के कटेवड़ा गांव स्थित नवोदय विद्यालय के अनेक छात्र-छात्राएं अचानक बीमार पड़ गये उन्हें अस्पताल में दाखिल कराया गया ;

(ख) यदि हां, तो ऐसे बीमार छात्र-छात्राओं की संख्या कितनी है और क्या सरकार ने उनके अचानक बीमार हो जाने के कारणों का पता लगाने के लिये कोई जांच करायी है और क्या तदनुसार कोई कार्यवाही की गई है ; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उप मंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) से (ग) नवोदय विद्यालय समिति द्वारा दी गई सूचना के अनुसार दिनांक 15 जुलाई, 1994 को

छात्रों को अस्पताल में भरती कराया गया था। इनमें से 37 छात्रों को दूसरे ही दिन अस्पतालसे छुट्टी दे दी गई थी तथा शेष तीन छात्रों को दो दिन के पश्चात् छुट्टी दी गई थी।

घटना के तुरन्त पश्चात् तकनीकी विशेषज्ञों तथा दिल्ली के अपर जिला मजिस्ट्रेट की एक टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। मुख्य इंजीनियर/महाप्रबंधक (निर्माण), नवोदय विद्यालय समिति के विस्तृत निरीक्षण के माध्यम से यह कार्यवाई पूरी की गई थी। निरीक्षण के पश्चात् टीम को यह पता चला कि भूमि काफी नीची है तथा दिल्ली बाढ़ नियंत्रण विभाग ने अप्रवाहित पानी को अन्यत्र ले जाने के लिए एक खुला नाला खुदवाया था जिसके कारण एच०डी० पी० की जल आपूर्ति की पाइप लाइनें टूट-फूट गई थी तथा पीने का पानी दूषित हुआ था।

समिति ने बाह्य तथा आन्तरिक जल-प्रवाह, आन्तरिक मल व्ययन प्रणालों की नई रूपरेखा तैयार करने, जल आपूर्ति हेतु जी आई पाइप के परिवर्तन की योजना तथा आवधान जैसे आवश्यक कदम उठाए हैं। इस बीच विद्यालय को अस्थायी तौर पर तब तक के लिए बन्द कर दिया गया है जब तक कि स्वास्थ्य प्राधिकारियों की अनुमति प्राप्त नहीं हो जाती। इस घटना के कारण छात्रों की पढ़ाई में जो व्यवधान हुआ है उसे शरद अवकाश के दौरान कक्षाएं चलाकर पूरा किया जाएगा।

Transfer Guidelines of Non-Teaching Employees of KVS

1648. SHRI J. S. RAJU:
SHRI MISA R. GANESAN:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) what are the details of guidelines which regulate transfers and promotional postings of non-teaching employees of regional offices and headquarter office of Kendriya Vidyalaya Sangathan; and

(b) whether these are being adhared to scrupulously?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KUMARI SELJA): (a) and (b) Kendriya Vidyalaya Sangathan has intimated that no specific guidelines have been prescribed for effecting transfers of non-teaching employees of the Kendriya Vidyalaya Sangathan. However, due consideration is given to the length of stay| station, seniority, medical cases, spouse cases etc. while making such transfers.

रोजगारोन्मुख शिक्षा नीति

1649. **श्री ईश दत्त यादव :**
चौधरी हरमोहन सिंह :

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार रोजगारोन्मुख शिक्षा नीति के संबंध में प्रारूप तैयार करने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ग) तकनीकी शिक्षा के स्तर में सुधार करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जाने का विचार है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उप मंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) और (ख) राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 में वैयक्तिक रोजगार के अवसर को बढ़ाने तथा कुशलता प्राप्त जनशक्ति की मांग और आपूर्ति के बीच विषमता को कम करने के लक्ष्य (नीति के पैरा 5.16 से 5.23) के साथ व्यावसायिक शिक्षा पर पहले से ही काफी बल दिया गया है। व्यावसायिक शिक्षा में बड़ी संख्या में शिक्षकों और व्यावसायिकों को रखने की आवश्यकता महसूस कर ली गई है (पैरा